



(2)

6. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुये एवं लोएनिओविओ द्वारा प्रचलित बरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को साम्यादित करना सुनिश्चित करें।
7. निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्येज नियमों का पालन कड़ाई से किया जाय।
8. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
9. निर्माण सामग्री का उपयोग लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
10. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-05-2008 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
11. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय फेन्ड्रांश, आभाधी अंश का उपयोग करते हुये राण्यांश के सापेक्ष व्यय महन घालू वित्तीय वर्ष 2008-10 के आय-व्ययक के अनुदान सं०-21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-80-ऊर्जा के अन्य स्रोत-800-अन्य व्यय 01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्रीय पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत अंशपोषित योजनायें 01-लघु जल विद्युत एवं सुधारित घराह योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता शीर्षक/गद के अन्तर्गत किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं०-870 दिनांक 31 दिसम्बर, 2008 को प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सौरभ जैन)  
अपर सचिव

संख्या :- 115 /1/2010-03/08/17/2008, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, औद्योगिक बिल्डिंग, भाजरा, देहरादून।
2. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
4. टी०ए०सी० (वित्त), उत्तराखण्ड शासन।
5. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. गार्ड फाईल।
8. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,  
(एम०ए०० सेमवाल)  
अनु सचिव